Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 18-08-2005

Participants : Kumar Shri Shailendra

>

Title : Problems being faced by the powerloom units in the country.

श्री शैलेन्द्र कुमार : महोदय, मैं जुलाई माह में मुम्बई गया था और वहां 16 तारीख से 19 तारीख तक रहा। भिवंडी में हम लोगों ने एक मीटिंग की थी। उस इलाके में ज्यादातर उत्तर प्रदेश के पावरलूम और हैंडलूम में काम करने वाले कामगार बसे हुए हैं। 1857 के गदर के समय उत्तर प्रदेश के जौनपुर, आजमगढ़, इलाहाबाद आदि जिलों के तमाम बुनकर वहां चले गये थे। उन लोगों ने अपनी कुछ समस्याओं को लेकर वर्ा 1986 में एक आंदोलन भी किया था। मैं आपको बताना चाहता हूं कि इस वक्त वहां सात लाख लोग पावरलूम चलाते हैं। पहले भिवंडी में केवल दस हजार का आबादी थी। लेकिन आज वहां बुनकरों का आबादी बढ़कर लगभग 15 लाख हो गई है। भिवंडी बाजार टैक्सटाइल का एक सैन्टर है, वहां तमाम मिलें हैं, पावरलूम और हैंडलूम का काम भी होता है। वहां आज भी 87 परसेन्ट पावरलूम से कपड़ा तैयार होता है और 8-9 परसेन्ट केवल हैंडलूम से बनता है। भिवंडी, मालेगांव और सूरत में भी ज्यादातर यह कारोबार होता है। लेकिन वहां के श्रमिकों के तमाम बच्चे इस समय बदहाली की स्थिति में हैं। बच्चों के लिए वहां न कोई शिक्षा की व्यवस्था है और न स्वास्थ्य की व्यवस्था है। वहां के बुनकरों को बैंक से कोई फाइनेन्शियल असिस्टैन्स नहीं मिलती और न अन्य ऐसी कोई एजेन्सी उनकी मदद कर रही है, जिससे कि वे अपना कारोबार आगे बढ़ा सकें। पिछले वर्ा के बजट में पांच हजार करोड़ रुपये टैक्सटाइल के लिए रखे गये थे। लेकिन उसका फायदा ज्यादातर मिल वालों ने उठाया। लेकिन जो पावरलूम और हैंडलूम के श्रमिक हैं, उन्हें उसका फायदा नहीं मिला। खासकर बड़ी-बड़ी मिलें चाहे वह रिलायंस हो या अन्य कोई मिल हो, वे ही दाम तय करती हैं। मैं आपको बताना चाहता हूं कि वहां मूलभूत समस्या बिजली की अनुपलब्धता है। वहां 24 घंटे में से 12 घंटे बिजली मिलती है और 12 घंटे बिजली नहीं मिलती है। वहां के बुनकरों की समस्याओं को दूर करने के लिए मेहता कमेटी, आबिद हुसैन कमेटी और गोपाल सिंह कमीशन बनाया गया था, लेकिन उनकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हो पाया। टैक्सटाइल पर एक्साइज ड्यूटी लगाई गई, जिससे बुनकरों की बदहाली में और वृद्धि हो गई।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि चाहे वहां बिजली की समस्या हो, उनके बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य की समस्या हो या अन्य कोई मूलभूत समस्या हो, उस पर सरकार तुरंत ध्यान दे। वहां लाखों की तादाद में उत्तर प्रदेश से आये हुए बुनकर हैं, यदि सरकार द्वारा उनके जीवन स्तर में सुधार हो सके तो बहुत अच्छा होगा। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।